भजन

तर्ज–दुनिया करे सवाल

कोई आ सको तो आइयो समया ये आखिरी
खिन की विलम ना कीजियो समया ये आख़िरी

1–उठना है हंस के धाम मे, ऐसा यतन करें
अब कहनी सुननी ना रही, रहनी पे पग धरें
झूठी उम्मीद छोड़ियो......

2–हम तन है प्राणाधार के, उनसे जुदा नही
इस वास्ते यूं भूलना, वाजिब तो है नही
चरणों से बंध बांधियो.......

3–विरह जगे जो धाम का, तो बात कुछ बने
हक इलम और ईमान से, कुर्बानियां करें
सिनगार इश्क साजियो.....